https://pdfree.in/
Free Pdf at your fingerprint

Praggnanandhaa Biography in Hindi- युवा शतरंज चैंपियन की कहानी

चेन्नई अपनी सादगी और शतरंज के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही चेन्नई मंदिरों और बेहद ही सामान्य जीवन के लिए भी जाना जाता है। लेकिन शतरंज में, इसका नाम सबसे पहले, पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के साथ जुड़ता है। उनका जन्म भी चेन्नई में ही हुआ था। उसी क्रम में प्रगनाननंदा का जन्म भी 10 अगस्त 2005 को चेन्नई के पाड़ी में ही हुआ।

प्रगनाननंदा के **पिता** के. रमेश बाबू एक बैंक कर्मचारी हैं। इनके पिता बचपन से ही पोलियो ग्रसित हैं। जो अपने बेटे की उपलब्धियां से, बहुत अधिक गर्व अनुभव करते हैं। इनकी **माता** श्रीमती नागालक्ष्मी जी है। जो एक सामान्य गृहणी है। प्रगनाननंदा के माता-पिता शतरंज के खिलाड़ी नहीं है। आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से, इनके पिता नहीं चाहते थे। कि वह चेस खेलें।

इनकी एक बड़ी **बहन** वैशाली आर भी हैं। जो महिला ग्रांड मास्टर हैं। इन्होंने अपनी बहन के खेल से प्रभावित होकर ही, शतरंज खेलना शुरू किया। इनके बहन के शतरंज खेलने की शुरुआत भी बड़ी रोचक है। इनके माता-पिता वैशाली के अधिक टीवी देखने से चिंतित

https://pdfree.in/
Free Pdf at your fingerprint

थे। उन्होंने वैशाली का ध्यान टीवी से हटाने के लिए, शतरंज खेलने की तरफ लगाया। प्रगनाननंदा बचपन से ही अद्भुत प्रतिभाशाली थे।

प्रगनाननंदा की शिक्षा(Praggnanandhaa Education):

प्रगनाननंदा की शिक्षा वर्तमान समय में जारी है। उनकी पढ़ाई में भी बहुत रूचि है। वह अपनी कक्षा में हमेशा से सर्वोत्तम परिणाम देते आ रहे हैं। उनके स्कूल को भी उन पर गर्व है। वह चेन्नई के वेलम्माल मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र है। जो इस वर्ष अपनी 10th की परीक्षा देगें।

प्रगनाननंदा की इनकम व नेटवर्क:

प्रगनाननंदा अपने परिवार के साथ चेन्नई में ही रहते हैं। इनकी इनकम लगभग ₹12 लाख आँकी गई है। जबकि इनकी कुल संपत्ति की बात की जाए, तो वह लगभग ₹2.15 करोड़ है। चेस विश्व कप 2023 में रनरअप होने पर, उन्हें सम्मान राशि के रूप में, लगभग ₹70 लाख की राशि प्राप्त हुई है।

प्रगनाननंदा संछिप्त परिचय:

https://pdfree.in/
Free Pdf at your fingerprint

भारतीय शतरंज का सम्राट प्रगनाननंदा	
वास्तविक नाम	रमेशबाबू प्रगनाननंदा
उपनाम	• प्रगा • प्रगनाननंदा
जन्म-तिथि	10 अगस्त 2005
उम्र	18 वर्ष
जन्म-स्थान	पाड़ी, चेन्नई, तमिलनाडु
पिता	रमेश बाबू (बैंक अधिकारी)
माता	नागालक्ष्मी
भाई-बहन	**बड़ी बहन** – वैशाली रमेश बाबू (चेस प्लेयर)
स्कूल/ कॉलेज	वेलम्माल मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, चेन्नई
शैक्षिक योग्यता	10th में अध्यनरत
गृह नगर	पाड़ी, चेन्नई, तमिलनाडु

https://pdfree.in/
Free Pdf at your fingerprint

व्यवसाय	चेस प्लेयर
प्रसिद्ध	एयरथिंग्स मास्टर्स के आठवें चरण में नार्वे के मैग्नस कार्लसन को फरवरी 2022 में हराया
शारीरिक मापदंड	**लंबाई :** 137 सेमी **वजन :** 48 किग्रा **आंखों का रंग :** काला **बालों का रंग :** काला
FIDE रेटिंग	2707 (2023 के अनुसार)
विश्व रैंक	29

प्रगनाननंदा के शतरंज खेलने की शुरुआत (Pragnananandhaa started playing chess):

प्रगनाननंदा और वैशाली के पिता के. रमेश बाबू ने, टेलीविजन पर कार्टून फिल्म देखने से छुटकारा दिलाने के लिए। इन दोनों को पास के चेस अकादमी में दाखिला दिलवाया था। उस वक्त प्रज्ञानंद की उम्र मात्र 5 साल की थी। उन्होंने अपनी बहन से शतरंज की बारीखियां सीखनी शुरू की। इसके बाद से ही, यह दोनों ही चेस पूरी तरह से रम गए। धीरे-धीरे वह टूर्नामेंट में भी पार्टिसिपेट करने लगे।

प्रगनाननंदा ने मात्र 7 साल की उम्र में ही, वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप का Under-8 का खिताब जीत लिया। इसके बाद प्रगनाननंदा को फ्रीडम मास्टर का टाइटल मिल गया। वहीं वैशाली भी बालिकाओं में Under-12 और Under-14 में, वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप जीत चुकी है। इस वक्त उनके पिता उसे और टूर्नामेंट में पार्टिसिपेट करने के लिए सपोर्ट नहीं कर रहे थे। क्योंकि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, चेस खेलना काफी खर्चीला होता है।

प्रगनाननंदा का चेस करियर(Chess career of Praggnanandhaa):

प्रगनाननंदा की जिंदगी में, एक ऐसे शख्स का प्रवेश हुआ। जिन्होंने उसे उन ऊंचाइयों को छूने में अहम भूमिका निभाई। ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के अध्यक्ष और रैमको सिस्टम्स के चेयरमैन पी.आर वेंकटरामा राजा ने, उनकी यात्रा और अन्य स्थानों में रहने वाले खर्च की व्यवस्था करने लगे। वर्ष 2016 में, प्रगनाननंदा 10 वर्ष 10 माह और 19 दिन की उम्र में, चेस के इतिहास में, सबसे कम उम्र के इंटरनेशनल मास्टर बन गए। यह हम सभी के लिए, बहुत गर्व की बात है।

https://pdfree.in/
Free Pdf at your fingerprint

23 जून 2018 को, 12 साल 10 महीने और 13 दिन की उम्र में, प्रगनाननंदा रमेशबाबू ने ग्रन्डले ओपन में लुका मोरोनी को हराकर, तीसरा और अंतिम जीएम नॉर्म प्राप्त किया। इसी के साथ ग्रैंड मास्टर बनने वाले, वह विश्व के दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। सूची में बदलाव के कारण, प्रगनाननंदा अब 4 सबसे कम उम्र के ग्रैंड मास्टर हैं। इसी प्रकार विश्वनाथन आनंद भी 18 वर्ष की उम्र में, ग्रैंड मास्टर बने थे।

2019 में प्रगनाननंदा वर्ल्ड यूथ चैंपियनशिप में वैलेंटीन बुकल्स को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रगनाननंदा के कोच आर. वी रमेश, उनकी उपलब्धियां से पर गर्व महसूस करते हैं। वह पहले चेस प्लेयर रह चुके हैं। 2020 में, स्पोर्टस्टार ऐसेस ने प्रगनाननंदा को 'यंग एथलीट ऑफ द ईयर' के खिताब से नवाजा। अगस्त 2020 में, भारत को रसिया के साथ, वर्ल्ड चेस ओलिंपियाड का जॉइंट विनर घोषित किया गया।

इसमें प्रगनाननंदा का भी एक बड़ा योगदान था। उन्होंने 9वें राउंड में चीन के खिलाफ, पॉइंट स्कोर किया था। अप्रैल 2021 में, प्रगनाननंदा ने विश्व के बहुत से प्रतिभावान खिलाड़ियों को हराकर, पोलगर चैलेंज भी जीता। अगर यह कहा जाए कि प्रगनाननंदा एक लंबी दूरी के खिलाड़ी हैं। तो कहना गलत नहीं होगा। क्योंकि उन्होंने अपनी कम उम्र में ही हार को बर्दाश्त करना और उसका विश्लेषण करके अपनी गलतियां सुधारना सीख लिया है।

वह कभी भी अपनी हार से विचलित नहीं होते हैं। बल्कि वह हर हार को भी, अपनी मुस्कुराहट के साथ स्वीकार करते है। फिर मजबूती के साथ खेलने का संकल्प लेते हैं। वह जीतने के बाद उसे सेलिब्रेट करने के लिए मंदिर जाते हैं। प्रगनाननंदा मैगनस कार्लसन और विश्वनाथ आनंद को अपना आदर्श मानते हैं। वह उन्हीं की तरह, एक दिन वर्ल्ड चैंपियन बनना चाहते हैं।

प्रगनाननंदा का चेस विश्व कप-2023 में प्रदर्शन:

प्रगनाननंदा के विश्व कप का खिताब, अपने नाम करने का सपना टूट गया। फाइनल के ट्राईब्रेकर में पांच बार के चैंपियन रहे, मैगनस कार्लसन से हार का सामना करना पड़ा। मैग्नस कार्लसन ने उन्हें 1.5 – 0.5 से शिकस्त दी। इसके बावजूद प्रगनाननंदा ने मैगनस कार्लसन को कड़ी टक्कर दी। यदि वह यह मुकाबला जीत जाते, तो 21 साल बाद कोई भारतीय इस टाइटल का हकदार होता।

इससे पहले 2002 में, विश्वनाथन आनंद ने इस चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। प्रगनाननंदा का फाइनल तक का यह सफर बहुत ही रोमांचक रहा। उन्होंने पहले मुकाबले में लेगार्ड मैक्सिमें को 1.5 – 0.5 से हराया। दूसरे मुकाबले में नवारे डेबिट को 1.5 – 0.5 से हराया। इसके बाद नाकामुरा हिकारू को 3-1 से शिकस्त देकर, राउंड ऑफ-16 में अपनी जगह निश्चित की।

https://pdfree.in/
Free Pdf at your fingerprint

इसके बाद फेरेक बरक्स को 1.5 – 0.5 से हराकर, क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। सेमी फाइनल के मुकाबले में, उन्होंने अर्जुन एरिगेसी को 5 – 4 से हराया। इसके बाद, सेमी फाइनल के ही एक मुकाबले में करूआना को 3.5 – 2.5 से हराकर फाइनल में, अपनी जगह सुनिश्चित की।

प्रगनाननंदा की उपलब्धि:

वर्ष	**टाइटल**
2013	विश्व युवा चेस चैंपियनशिप अंडर-8
2015	विश्व युवा चेस चैंपियनशिप अंडर-10
2016	अंतरराष्ट्रीय चेस मास्टर
2017	विश्व जूनियर के चैंपियनशिप में पहला जीएम नॉर्म
2018	हेराक्लीओन फिशर मेमोरियल में दूसरा जीएम नॉर्म
2018	ग्रन्डले ओपन में लुका मोरोनी को हराकर, तीसरा जीएम नॉर्म
2019	एक्स्ट्राकॉन चेस ओपन
2019	विश्व युवा चैंपियनशिप अंडर-18
2019	2600 रेटिंग
2021	चेस विश्व कप-2021 में 90वीं वरीयता के रूप में प्रवेश किया
2022	एयरथिंग्स मास्टर्स रैपिड टूर्नामेंट में मैगनस कार्लसन को हराया
2022	चेसेबल मास्टर्स ऑनलाइन रैपिड चेस टूर्नामेंट में एक बार फिर मैगनस कार्लसन को हराकर फाइनल में पहुंचे।
2023	टाटा स्टील चेस मास्टर्स 2023 में ग्रैंड मास्टर डिंग लॉरेन को हराया।
2023	चेस विश्व कप-2023 (रनरअप)